सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 205 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 2 सितम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-

क्या हम यह नहीं जानते कि आत्म सम्मान आत्म निर्भरता के साथ आता है?
-अब्दुल कलाम

अफगान से टी20 सीरीज के लिए भारतीय... 7
उत्तराखंड से लेकर कर्नाटक तक... 3
उत्तर प्रदेश में ईमानदार अफसरों... 2

चुप रहे तो देशभक्त, बोले तो बागी! असहमति की आवाज को दबाने की कोशिश!

सोनिया गांधी की किताब के पन्नों से संजय शर्मा की 'सहिया' के पर्दे तक

पिक्चर अभी बाकी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समुद्र में नाकाबंदी हो तो तेल रुकता है रास्ते बंद हों तो जहाज रुकते हैं लेकिन लोकतंत्र में अगर सवालों की नाकाबंदी हो जाए तो फिर क्या रुकता है आवाज और जब आवाज रुकती है तो सिर्फ एक लेखक की किताब नहीं रुकती सिर्फ एक पत्रकार की फिल्म नहीं रुकती। रुकता है वह भरोसा जिस पर लोकतंत्र की पूरी इमारत खड़ी होती है। सवाल इसलिए बड़ा है क्योंकि मामला किसी एक किताब या किसी एक फिल्म का नहीं है। मामला उस अदृश्य लाल रेखा का है जिसके इस पार बोलने की आजादी है और उस पार पहुंचते ही किताब संपादकीय मेज पर अटक जाती है फिल्म प्रमाणन की दीवार से टकरा जाती है और सवाल पूछने वाला खुद सवाल बन जाता है।

27 अगस्त को पत्रकार संजय शर्मा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सहिया' को सीबीएफसी से प्रमाणन देने से मना कर दिया 28 अगस्त को सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग को लेकर पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने सफाई दी। यहां दो तारीखें दो माध्यम दो अलग अलग कहानियां है लेकिन दोनों के बीच खड़ा एक बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत में असहमति की आवाज के लिए जगह लगातार छोटी होती जा रही है? क्या असहमति की आवाज को बैक डोर से दबाया जा रहा है।

सहिया फिल्म में बंदूक दिखी तो देश खतरे में आ गया लेकिन सवाल यह है कि सीबीएफसी को फिल्म में इंसान क्यों नहीं दिखे। फिल्म में दर्शाया गया प्रेम क्यों नहीं दिखा, फिल्म का मैसेज क्यों नहीं समझा गया कि आखिर करोड़ों रूपये खर्च कर फिल्मकार संजय शर्मा समाज को क्या मैसेज देना चाहते हैं। आखिर सेंसर बोर्ड की तरफ से ऐसा क्यों कहा गया कि फिल्म देश की संप्रभुता और अखंडता तथा राज्य की सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है और सार्वजनिक व्यवस्था पर असर डाल सकती है। क्या किसी कहानी में हिंसा दिखाई देना हिंसा का समर्थन करना है अगर ऐसा है तो फिर दुनिया की तमाम युद्ध फिल्में बंद कर दीजिए। अपराध पर बनी फिल्में बंद कर दीजिए। आतंकवाद की कहानियां बंद कर दीजिए। विद्रोह, संघर्ष, पुलिस, सेना, राजनीति और सत्ता के टकराव पर बनी हर फिल्म को पहले कठघरे में खड़ा कर दीजिए। क्योंकि कहानी में अपराधी का होना अपराध का समर्थन नहीं होता खलनायक का दिखना खलनायकी का प्रचार और संघर्ष का चित्रण संघर्ष का महिमामंडन नहीं होता यही तो संजय शर्मा का सवाल है? वह कहते हैं कि फिल्म को उसके पूरे संदर्भ और मूल संदेश के साथ देखा जाना चाहिए।

कहानी इतनी सीधी नहीं है

पेंगुइन कहता है कि हम बिलॉन्गिंग के भारतीय प्रकाशक ही नहीं हैं। वह कहता है कि प्रकाशन में तथ्य जांच और संपादकीय सुझाव देना उसका अधिकार और जिम्मेदारी है और लेखक के साथ बातचीत गोपनीय है। दूसरी तरफ सोनिया गांधी सार्वजनिक रूप से सवाल उठाती हैं और कहती हैं कि पेंगुइन उन लेखकों को निराश करता रहा है जिनका काम केंद्र सरकार को पसंद नहीं आता। और फिर वह एक पोस्टर सामने रखती हैं पेंगुइन है या पिंजरे का परिंदा। अब सवाल यह है कि आखिर वह कौन लोग है और किस लिए इस तरह का माहौल क्रिएट कर रहे हैं जिसमें एक पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष को यह सार्वजनिक सवाल उठाना पड़ रहा है कि प्रकाशन की स्वतंत्रता सत्ता की पसंद नापसंद से संचालित हो रही है। क्या सत्ता को सिर्फ वही किताब पसंद है जिसमें उसके खिलाफ एक भी पन्ना न हो क्या वही फिल्म सुरक्षित है जिसमें व्यवस्था से कोई असहज सवाल न पूछा गया हो क्या वही पत्रकार स्वीकार्य है जो सवाल पूछने से पहले अनुमति ले और क्या लोकतंत्र में अब सबसे सुरक्षित नागरिक वही है जो चुप है।

तब सत्ता निशाने पर थी आज सवाल पूछने वाला निशाने पर है

याद कीजिए वह दौर जब फिल्मों ने सीधे सत्ता पर निशाना साधा। चक्रव्यूह, राजनीति, हवाइंया जैसी फिल्मों ने व्यवस्था भ्रष्टाचार और सत्ता के चरित्र पर सवाल खड़े किये। सरकार विरोधी नैरेटिव के बावजूद फिल्में सिनेमाघरों तक पहुंचीं दर्शकों ने देखा और फिल्मों ने अपना कारोबार भी किया। यानी कहानी सरकार के खिलाफ हो सकती थी पर्दे पर व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई जा सकती थीं और फिर भी लोकतंत्र का दरवाजा बंद नहीं हुआ। तब सवाल यह नहीं था कि फिल्म सरकार की तारीफ करती है या आलोचना। सवाल यह था कि फिल्म कानून के दायरे में है या नहीं। अगर यूपीए सरकार के दौर में सरकार विरोधी फिल्मों और किताबों को अपनी बात कहने की जगह मिल सकती थी तो आज सत्ता से असहज सवाल पूछने वाली रचना के सामने प्रमाणन प्रकाशन और अनुमति की दीवारें इतनी ऊंची क्यों दिखाई दे रही हैं। सोनिया गांधी की किताब का विवाद हो पूर्व सैन्य अधिकारी की किताब का मामला हो या फिर पत्रकार संजय शर्मा की फिल्म सहिया इन तीनों ही मामलों के तथ्य और संस्थागत परिस्थितियां अलग हैं। लेकिन सवाल एक ही है कि क्या लोकतंत्र में सत्ता बदलने के साथ असहमति की आजादी का पैमाना भी बदल गया है। क्योंकि सरकार कोई भी हो सत्ता की तारीफ करना लोकतंत्र नहीं है सत्ता से सवाल पूछने की आजादी ही लोकतंत्र की असली परीक्षा है। और अगर कल सरकार विरोधी फिल्म देखकर लोकतंत्र मजबूत था तो आज सरकार से असहज सवाल पूछने वाली फिल्म देखकर लोकतंत्र कमजोर कैसे हो सकता है।

उत्तर प्रदेश में ईमानदार अफसरों को सम्मान नहीं मिल रहा: अखिलेश

» दिव्या मित्तल के इस्तीफे पर भाजपा सरकार पर सपा का हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव का भाजपा व उसकी सरकार पर हमला जारी है। सपा मुखिया ने कहा इस सरकार में ईमानदार अफसरों को सम्मान नहीं मिल रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में कानून का राज होता तो नेताओं को न्याय के लिए भटकना नहीं पड़ता। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस व्यवस्था में आम लोगों की सुनवाई नहीं हो रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि ऐसे अधिकारी को नौकरी नहीं करनी चाहिए और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के नेताओं मोहित जाटव और दिग्विजय भाटी के साथ पूरे मामले को लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा कि यदि पुलिस अधिकारी के

खिलाफ गंभीर आरोप लगे हैं तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज होना चाहिए। हालिया घटनाक्रम में अविनाश पांडे को मेरठ एसएसपी पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय से संबद्ध किया गया है और मामले की जांच भी शुरू हुई है।

पुलिस का एक ही फॉर्मूला चल रहा है- 'हथेली गरम, पुलिस नरम।

उन्होंने पुलिस व्यवस्था पर तंज कसते हुए कहा कि पुलिस का एक ही फॉर्मूला चल रहा है- 'हथेली गरम, पुलिस नरम।' इससे पहले मेरठ के पूर्व एसएसपी अविनाश पांडे पर मारपीट और दुर्व्यवहार के आरोप लगाने वाले समाजवादी पार्टी के नेताओं मोहित जाटव और दिग्विजय भाटी ने लखनऊ में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की।

अंकित बालियान हत्याकांड पर भड़के पूर्व मुख्यमंत्री

अखिलेश यादव ने शामली के हरियाणवी गायक अंकित बालियान की हत्या का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरे प्रदेश के अपराधी यूपी में आकर वारदात कर रहे हैं। अखिलेश ने सरकार पर सवाल उठाते हुए पूछा कि ऐसे मामलों में बुलडोजर की कार्रवाई कब होगी। उन्होंने कहा कि मृतक के पिता और पत्नी न्याय की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी बात नहीं सुन रही है।

यूपी विस में गठजोड़ होगा तो सार्वजनिक करेंगे: चंद्रशेखर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नगीना। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए हलचल तेज होने लगी है, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख और सांसद चंद्रशेखर आजाद ने चुनाव को लेकर बड़ी घोषणा की है। चंद्रशेखर आजाद ने 27 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव पर कहा, हम उत्तर प्रदेश में बहुत जल्द सीटों की घोषणा करेंगे। अभी हमने 45 प्रभारी बनाए हैं और अभी और नए प्रभारियों की घोषणा करनी है।

नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 27 के लिए गठबंधन की संभावनाओं पर भी खुलकर अपनी बात रखी है उन्होंने यूपी विधानसभा चुनाव 27 में गठबंधन की संभावनाओं पर कहा, हमारा किसी के साथ गठजोड़ होगा तो आपको जरूर बताया जाएगा। उन्होंने अंकित बालियान मर्डर केस के शूटर्स के एनकाउंटर पर कहा, अंकित बालियान की हत्या हुई और फिर शूटर्स का एनकाउंटर भी हो गया। 2 शूटर मारे गए हैं...क्या अंकित बालियान की हत्या होनी चाहिए थी, सरकार के पास इसका कोई जवाब है?। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने गोरखपुर शहर की साफ-सफाई, जलजमाव और शिक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं उन्होंने कहा कि, मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है. पहले नेपाल ही एकमात्र ऐसा देश था, जहां हम बिना वीज़ा या पासपोर्ट के जा सकते थे लेकिन अब मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यहाँ के वर्तमान लोकसभा सदस्य के द्वारा बताया जा रहा है कि गोरखपुर स्पेन बन गया है।

उन्होंने कहा कि, पहले हम गोरखपुर में स्पेन के बारे में सुनते थे, लेकिन अब वे कह रहे हैं कि गोरखपुर स्पेन बन गया है. जब मैं यहाँ आया, तो मुझे लगा कि शायद स्पेन में घुसने के लिए मुझे वीज़ा की ज़रूरत पड़ेगी...। उन्होंने कहा कि, मुझे उत्तर प्रदेश के लोगों की चिंता है, जहां बेरोजगारी की वजह से युवा रोजगार की तलाश में पलायन कर रहे हैं, पेपर लीक की घटनाएं लगातार हो रही हैं और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वालों को विरोध-प्रदर्शन करने से रोका जा रहा है।

राजभर अपने ही विभाग के प्रमुख सचिव से नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने ही विभाग के प्रमुख सचिव और निदेशक से नाराज हैं। नाराजगी इस हद तक कि इसकी शिकायत उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक से कर दी है। राजभर ने कहा कि अपने विभाग के प्रमुख सचिव और निदेशक को लेकर चल रही नाराजगी की चर्चा पर कहा कि वह नाराज नहीं हैं, लेकिन उनकी चिंता यह है कि दूसरे विभाग एक साल में भवन बनाकर उसका उद्घाटन कर दे रहे हैं, जबकि उनके विभाग के अधिकारी लखनऊ में बैठकर पूरे प्रदेश को चलाना चाहते हैं।

» मुख्यमंत्री योगी से की शिकायत

राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद जिलों में जाकर कामकाज का जायजा लेते हैं। ऐसे में अधिकारियों की भी जिम्मेदारी है कि केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से विकास कार्यों के लिए दिए जा रहे पैसे का सही इस्तेमाल हो रहा है या नहीं, यह देखने के लिए वह मौके पर जाएं। उन्होंने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी, बारात घर, सामुदायिक भवन समेत जिन कार्यों के लिए पैसा दिया जा रहा है, अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे ग्राउंड पर जाकर काम की स्थिति देखें। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों से करीब 10 बार मौके पर जाकर काम देखने को कहा है, लेकिन इसके बावजूद अधिकारी नहीं जा रहे हैं. जब उनसे पूछा गया कि क्या अधिकारी बेलगाम हो गए हैं, तो उन्होंने कहा कि शायद उन्हें लखनऊ से ही काम करने की आदत हो गई है।

नीति आयोग ने खोल दी बिहार के विकास की पोल: रोहिणी आचार्य

» लालू की बेटी का सम्राट सरकार पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद प्रमुख लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने बुधवार (2 सितंबर, 2026) को बिहार में निवेश और विकास को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए नीति आयोग की जुलाई 26 में जारी इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स 26 प्रतिशत रिपोर्ट का हवाला देते हुए बिहार के विकास मॉडल पर सवाल उठाए हैं। रोहिणी आचार्य ने दावा किया कि निवेश आकर्षित करने के मामले में बिहार का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा है।

उन्होंने इसे बिहार सरकार के विकास के दावों के विपरीत बताते हुए औद्योगिक आधार, रोजगार और कारोबारी माहौल को लेकर सवाल खड़े किए। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, 10 अंकों के पैमाने पर बिहार को 41.2 अंक मिले हैं.। देश के 17 बड़े राज्यों की श्रेणी में बिहार 17वें यानी आखिरी स्थान पर है. वहीं, सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मिलाकर बिहार को 26वां स्थान मिला है. बिहार को 40 से 45 अंक वाले राज्यों की तीसरी श्रेणी में रखा गया है. इस श्रेणी में झारखंड, पंजाब और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य भी शामिल हैं।

विकास के दावे खोखले

रोहिणी आचार्य ने आरोप लगाया कि लंबे समय से सत्ता में रहने के बावजूद बिहार में मजबूत औद्योगिक आधार और निवेश के अनुकूल माहौल तैयार नहीं हो सका. उन्होंने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को जमीन पर उतारने में भी सरकार नाकाम रही है. उन्होंने भ्रष्ट नौकरशाही, लालफीताशाही और सरकारी प्रक्रियाओं में देरी को निवेश के रास्ते में बड़ी बाधा बताया। रिपोर्ट के हवाले से बिहार में निवेश के सामने कई चुनौतियों का जिक्र किया गया है. इनमें आधारभूत संरचना और संसाधनों की कमी, कारोबारी माहौल का अनुकूल नहीं होना तथा जमीन आवंटन की जटिल प्रक्रिया शामिल है. इसके अलावा सीमित रोजगार के अवसर और पेटेंट के मामले में पिछड़ना भी बिहार की कमजोर स्थिति की वजहों में गिनाया गया है।

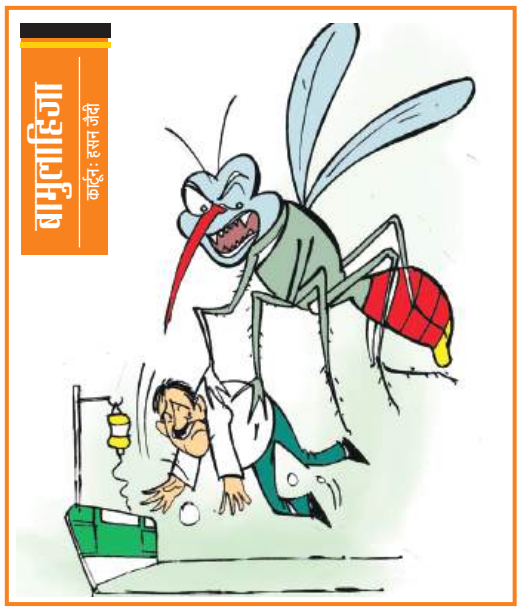

मछली खाने के आरोप से आहत अजय राय पहुंचे कोर्ट

» सीएम योगी के खिलाफ दायर किया मानहानि का परिवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ कोर्ट में मानहानि का परिवाद दाखिल किया है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा की कोर्ट में दाखिल किए गए इस परिवाद में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की गई है। कोर्ट में अजय राय के अधिवक्ता संजीव पांडेय ने परिवाद दाखिल करके बताया कि 23 अगस्त को अयोध्या में कांग्रेस नेता राम निहाल निषाद ने निषाद समाज का एक कार्यक्रम और जनसभा आयोजित की थी।

अजय राय को उस सभा को संबोधित करने के लिए बुलाया गया था। कार्यक्रम के बाद निषाद समाज की परंपरा अनुसार वहां मत्स्य भोज का आयोजन किया गया

था। कहा गया कि परिवादी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष होने के कारण जैसे ही कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, मीडिया ने उनकी फोटो खींची और बाद में निषाद समाज के लोगों द्वारा मछली खाते हुए फोटो भी मीडिया में प्रसारित हुई। परिवाद में आरोप लगाकर कहा गया कि इसी फोटो के आधार पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना वास्तविकता जाने 24 अगस्त को रायबरेली में आयोजित एक जनसभा में परिवादी के खिलाफ भ्रामक बयान देते हुए कहा की कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का आचरण देखा होगा हनुमान गढ़ी में दर्शन करने जाते हैं और बाहर जाकर मछली का दावत उड़ाते हैं, राम-राम चिल्लाते हैं, बेशर्मी की भी सीमा होती है, जो वहां मंदिर में राम-राम चिल्ला रहे हैं, बजरंगबली के सामने दंडवत होने का ढोंग कर रहे हैं लेकिन बाहर जाकर के मछली की दावत उड़ाते हैं। परिवाद में कहा गया कि उक्त जनसभा का वीडियो मुख्यमंत्री के आधिकारिक/ व्यक्तिगत एक्स अकाउंट से भी 24 अगस्त को जारी किया गया, जिसे लगभग 2 लाख 75 हजार लोगों ने देखा और साझा किया। परिवाद में बताया गया कि परिवादी सनातन धर्म में आस्था रखने वाला व्यक्ति है और उनका मांस-मछली से कभी कोई नाता नहीं रहा है। इसके बावजूद बिना किसी प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्य के सुनी-सुनाई बातों के आधार पर परिवादी की सामाजिक, पारिवारिक और राजनीतिक छवि को धूमिल किया गया।

उत्तराखंड से लेकर कर्नाटक तक मचा बवाल

हल्द्वानी मामले में राहुल गांधी पर एफआईआर पर संग्राम

भाजपा व कांग्रेस में शुरू हुआ वार-पलटवार

» उच्च शिक्षा मंत्री बसवराज रायरेड्डी का इस्लाम पर बयान से घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एकबार फिर भाजपा व कांग्रेस में आमना समाना भीषण हो गया। अबकी बार विवाद उत्तराखंड व कर्नाटक से उठा है। पहाड़ी राज्य में हलद्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष खरगें के अपमान पर राहुल गांधी के तेवर के बाद उन पर एफआईआर करने से माहौल गरमा गया है। वहीं कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री बसवराज रायरेड्डी ने एक समारोह में इस्लाम को सभी धर्मों से श्रेष्ठ और वैज्ञानिक स्वभाव वाला बताकर गंभीर राजनीतिक विवाद पैदा कर दिया है। उनके इस बयान और मठों-मंदिरों में न जाने की टिप्पणी को बीजेपी ने हिंदू धर्म का अपमान करार देते हुए तत्काल माफी या कैबिनेट से इस्तीफे की मांग की है, जिससे मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं।

वहीं कांग्रेस ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की जनसभा के आयोजन स्थल पर कथित 'शुद्धीकरण' को लेकर राहुल गांधी की हालिया टिप्पणी के सिलसिले में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर सोमवार को निशाना साधा और कहा कि जातिवादी मानसिकता के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ाई लड़ी जाएगी। कांग्रेस महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी कुमारी सैलजा ने सोमवार को कहा कि उत्तराखंड में प्राथमिकी दर्ज होने से राहुल गांधी और उनकी पार्टी डरने वाले नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी का लोकतांत्रिक और कानूनी तरीके से जवाब दिया जाएगा।

हिंदू धर्म और सनातन धर्म का अपमान : आर अशोक

इन टिप्पणियों पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और मांग की कि मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, रायरेड्डी को निर्देश दें कि वे या तो हिंदू समुदाय से माफ़ी मांगें या कैबिनेट से इस्तीफा दे दें। कर्नाटक भाजपा प्रमुख आर अशोक ने मंत्री पर आरोप लगाया कि मंदिरों और मठों में न जाने के बारे में अपनी टिप्पणियों से उन्होंने हिंदू धर्म और सनातन धर्म का अपमान किया है। आर. अशोक ने डीकेशिवकुमार के बार-बार मंदिर जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि डीके शिवकुमार, क्या आपकी कांग्रेस सरकार की हिंदू-विरोधी सोच का कोई अंत नहीं है? आप सुबह-सुबह मंदिर जाने और कैमरों के सामने भक्ति दिखाने का दिखावा तो करते हैं, लेकिन जब आपकी ही कैबिनेट का कोई मंत्री सनातन हिंदू धर्म और मंदिरों के बारे में अपमानजनक बातें कहता है, तो आप चुप क्यों रहते हैं?

कानूनी तरीके से जवाब देगी कांग्रेस : कुमारी सैलजा

उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित रामलीला मैदान में कथित 'शुद्धीकरण' के मामले को लेकर की गयी 'विवादित टिप्पणी' के सिलसिले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस ने रविवार को बताया कि हल्द्वानी के जवाहर नगर निवासी अमित कुमार की शिकायत पर कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। वाल्मीकि समुदाय से ताल्लुक रखने वाले अमित कुमार 'श्री राम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास' से जुड़े हुए हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेता ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष के कार्यक्रम स्थल पर हुए एक धार्मिक अनुष्ठान को जातिगत रंग दिया। इस मामले पर कांग्रेस महासचिव सैलजा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की जनसभा के बाद 'शुद्धीकरण' करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई, लेकिन इस कृत्य के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर दी गई। क्या यही भाजपा सरकार का न्याय है? उन्होंने कहा कि पहले 'शुद्धीकरण' किया गया, फिर भाजपा की उत्तराखंड इकाई के अध्यक्ष ने खुले तौर पर उसका बचाव किया और अब राहुल गांधी द्वारा दोषियों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की मांग किए जाने पर भाजपा सरकार ने उन्हीं के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया।

इस्लाम के बारे में कई गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं : बसवराज रायरेड्डी

कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री बसवराज रायरेड्डी ने कोप्पल जिले के कुकानूर में पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन के मौके पर आयोजित एक सामूहिक विवाह समारोह में इस्लाम को सभी धर्मों से श्रेष्ठ बताकर एक राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। रायरेड्डी ने कहा कि इस्लाम एक महान धर्म है जो मानवता को बढ़ावा देता है और वैज्ञानिक स्वभाव वाला है। यह लोगों को सिखाता है कि धार्मिक कट्टरपंथी या जातिवादी बने बिना कैसे जिया जाए। यह साफ नहीं है कि यह कार्यक्रम कब हुआ था। उन्होंने कहा कि इस्लाम के बारे में कई गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं और वह कुरान का अध्ययन करने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि यह ग्रंथ पूरी मानवता के लिए है, न कि सिर्फ मुसलमानों के लिए। मंत्री ने यह भी कहा कि वह हज यात्रा करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें ऐसा करने का मौका नहीं मिला है, क्योंकि इसके लिए इस्लाम अपनाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि वह खुद शायद ही कभी मठों या मंदिरों में जाते हैं, हालांकि वह अब्राहमिक धर्मों सहित विभिन्न धर्मों के इतिहास का अध्ययन करने की कोशिश करते हैं।

भाजपा और आरएसएस की दलित विरोधी और संविधान विरोधी सोच

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि यह कोई संयोग नहीं है, बल्कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ''दलित विरोधी और संविधान विरोधी सोच'' का बेहद गंभीर उदाहरण है। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी ने वही सवाल उठाया जिसे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे स्वयं संसद में उठा चुके हैं कि 'शुद्धीकरण' के इस कृत्य ने उन्हें छुआछूत का एहसास कराया और उनका अपमान किया।'' सैलजा ने कहा, ''लेकिन भाजपा सरकार का तरीका देखिए। 'शुद्धीकरण' करने वालों पर सवाल उठाओ तो प्राथमिकी, दलित सम्मान की बात करो तो प्राथमिकी, संविधान के लिए आवाज उठाओ तो प्राथमिकी।'' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए सवाल किया कि वह पूरे मामले पर चुप क्यों हैं। सैलजा ने कहा कि भाजपा और आरएसएस इस भ्रम में न रहें कि मुकदमों के डर से राहुल गांधी या कांग्रेस पीछे हट जाएगी। उन्होंने कहा, ''यह गांधी परिवार है, जिसका देश के लिए त्याग और बलिदान का इतिहास रहा है। प्राथमिकी और सत्ता का दबाव इस आवाज को न डरा सकता है, न दबा सकता है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मामले का लोकतांत्रिक और कानूनी तरीके से जवाब देगी तथा 'शुद्धीकरण' की जातिवादी मानसिकता के खिलाफ और दलितों के सम्मान एवं संविधान की रक्षा के लिए लड़ाई जारी रखेगी।

सवराज रायरेड्डी माफी नहीं मांगते हैं, तो इस्तीफा दे

उन्होंने कहा कि अगर बसवराज रायरेड्डी माफ़ी नहीं मांगते हैं, तो उन्हें इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। उनकी यह मांग मंत्री बी नागेंद्र के इस्तीफ़े के दो दिन बाद आई है; नागेंद्र ने भ्रष्टाचार के आरोपों पर बीजेपी के कड़े विरोध के बाद दो साल में दूसरी बार इस्तीफा दिया था। बीजेपी नेता ने कहा कि उच्च शिक्षा मंत्री बसवराज रायरेड्डी के घमंडी बयानों को ध्यान से सुनें। मैं मठों या मंदिरों में नहीं जाता कहकर उन्होंने राज्य के लाखों हिंदुओं की आस्था के केंद्रों का अपमान किया है। इस्लाम दूसरे धर्मों से बेहतर है जैसे बयान देकर उन्होंने सनातन धर्म को नीचा दिखाया है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी मांग साफ़ है। सबसे पहले, बसवराज रायरेड्डी को अपने बयान वापस लेने चाहिए और राज्य के सभी हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए। अगर वह ऐसा करने को तैयार नहीं हैं, तो शिवकुमार को उन्हें कैबिनेट से हटाने का अपना संकल्प दिखाना होगा। वरना, कन्नड़ भूमि के लाखों हिंदुओं के लिए एक बात साफ़ हो जाएगी। मंदिरों में आपका जाना भक्ति के लिए नहीं है, आपकी बातें हिंदू धर्म के प्रति सम्मान के कारण नहीं हैं, सब कुछ सिर्फ़ वोटों के लिए और दिखावे के लिए है। रायरेड्डी ने साफ किया कि सभी धर्मों में अच्छे सिद्धांत होते हैं और मंदिरों में भी इसी तरह की परंपराएँ निभाई जाती हैं। उन्होंने शादी महलों (वेडिंग हॉल) के लिए मिलने वाले फंड के बारे में भी बात की और बताया कि सरकार इसके लिए पैसे देती है, न कि सऊदी अरब, पाकिस्तान या किसी दूसरे मुस्लिम देश से कोई पैसा आता है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी धार्मिक संस्थान की जमीन या चढ़ावे को हड़पना—चाहे वह किसी भी धर्म का हो—एक बहुत बड़ा पाप है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

एआई और एल्गोरिद्म के शोर में खोए नहीं

"पूरी दुनिया में एआइ की तेज रफ्तार के साथ विवादों की तकरार ने एक विवादस्पद मोड़ ले लिया है। दरअसल एआइ के एल्गोरिद्म ने सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वालों को एक पसंदीदा भ्रामक गुब्बारे यानी बबल में कैद करना शुरू कर दिया है।

आजकल एआई और एल्गोरिद्म का शोर खूब सुनाई दे रहा है। लोग फॉलोअर, लाइक और व्यूज पर चर्चा करते नजर आते हैं। ये सब सोशल मीडिया पर पापुलर होने की निशानियां हैं। इनमे जो नंबर पाएगा वो सब पर भारी पड़ेगा। पर इसका एक स्याह पक्ष है कि इसकी कमी की वजह से लोग मानसिक विकार के शिकार हो रहे हैं जो कहीं से भी सही नहीं कहा जासकता है। इसलिए जो लोग सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव रहतें उन्हें अपने अंदर धैर्य को समाहित रखना होगा ताकि उसकी वजह से वह भटके नहीं है। एआई और एल्गोरिद्म के शोर में खोए नहीं। पूरी दुनिया में एआइ की तेज रफ्तार के साथ विवादों की तकरार ने एक विवादास्पद मोड़ ले लिया है। दरअसल एआइ के एल्गोरिद्म ने सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वालों को एक पसंदीदा भ्रामक गुब्बारे यानी बबल में कैद करना शुरू कर दिया है। इसके चलते वैश्विक स्तर पर मेटा के मालिक व सीईओ मार्क जुकरबर्ग, चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज ही नहीं, अपनी असंतुलित पॉलिसी के चलते कठघरे में है।

ऐसी ही अनगिनत आपत्तियों सहित भारत का अकाट्य तर्क है कि देश में किसी भी डिजिटल कंपनी को अमरीकी कानूनों से नहीं, बल्कि भारतीय कानून व नियमों का पालन करना होगा। मामला अब इतना तूल पकड़ चुका है कि मेटा के लिए पारदर्शिता, निष्पक्षता और एजेंडा सेटिंग के आरोपों से बरी होना बहुत मुश्किल लगता है। सुलगता विषय बच्चों व अवयस्कों की मानसिक सेहत पर कुठाराघात होने का है। इसलिए हाल में अमरीका के न्यू मैक्सिको की अदालत ने खतरे व सुरक्षात्मक उपाय की जरूरी जानकारी न देने के आरोप में मेटा पर लगभग 53 अरब रुपए का अतिरिक्त जुर्माना लगाया है। बताया जाता है कि इस जुर्माने में से लगभग 40 अरब रुपए बच्चों को हुए नुकसान की भरपाई और इलाज में खर्च किए जाएंगे। अपने आदेश में जज ब्रायन बिडशेड ने मेटा को फैक्ट्री बताते हुए बच्चों के डिजिटल यौन शोषण पर लगाम लगाने की सख्त चेतावनी जारी की है। मेटा के दिए गए निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि 18 साल से कम उम्र के यूजर्स यानी नाबालिगों को कोई वयस्क मैसेज नहीं भेज सकेगा और न ही अवयस्क उसे प्राप्त कर पाएंगे। साथ ही कच्ची उम्र के यूजर्स के लाइक्स की संख्या भी बैन होगी। इस विवाद के समानांतर मेटा और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स में एआइ से उपयोगकर्ताओं को डिजिटल मोहपाश में जकड़ने पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पंजाब में चुनावी वादों के बीच भरोसा तलाशते मतदाता

ज्योति मल्होत्रा

पिछले सप्ताहांत से पंजाब में सिर्फ़ मौसम ही नहीं बदल रहा है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून, जो राज्य और देश के बाकी हिस्सों का पेट भरने वाली जमीन को सींचता है, हर साल की तरह समाप्ति पर है। इसके साथ ही हिंदू कैलेंडर का 'सावन' माह भी बीत गया। इसलिए, कल रात जब 'सावन' की आखिरी पूर्णिमा-यानी 'रक्खड़ पुन्या' या रक्षाबंधन-पर पूरा चांद निकला, तो उसकी चांदी सी चमक में आने वाले मौसम का राज़ भी छिपा था – कुछ ही महीनों बाद, सर्दियों में होने वाले विधानसभा चुनावों में पंजाब का ताज किसके सिर सजेगा? ऐतिहासिक बाबा बकाला गुरुद्वारे में-जहां 1664 में नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर की पहचान उजागर हुई थी- 'रक्खड़ पुन्या' के मौके पर चुनावी सरगर्मी शुरू हो गई। इस दिन पारंपरिक रूप से होने वाली रैलियों में सभी सियासी दलों ने ताकत दिखाई। पहली बार बीजेपी ने भी रैली की, जिससे संकेत मिला कि वह पंजाब में फिर वापसी करना चाहती है- चाहे अपने पुराने सहयोगी शिरोमणि अकाली दल से मिलकर या अकेले।

चुनाव में छह महीने बचे हैं और 'इंडिया टुडे' ग्रुप के 'मूड ऑफ़ द नेशन' पोल ने उल्टी गिनती को और तेज़ कर दिया है। इस पोल से पता चलता है कि बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए राष्ट्रीय वोट शेयर में 45.1 फीसदी के साथ काफी आगे है, जबकि इंडिया गठबंधन का वोट शेयर 39.1 प्रतिशत है-ज़ाहिर है, यहां प्रधानमंत्री मोदी को कोई चुनौती नहीं है। लेकिन बारीकी से राजनीति पर नजर रखने वाले लोग देखेंगे कि एनडीए का वोट शेयर इस जनवरी में अनुमानित 47 प्रतिशत से 2 फीसदी कम हो गया है और यह एक साल पहले रहे 46.7 प्रतिशत से भी कम है। तो अगले साल की शुरुआत में पंजाब के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में होने वाले चुनावों के लिए इसका क्या मतलब है? निश्चित रूप से, बीजेपी 2024 के लोकसभा चुनावों से चली आ रही अपनी जीत की लय को बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है – तब से उसने कई राज्यों में शानदार जीत हासिल की है, चाहे वह हरियाणा हो, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार हो या पश्चिम बंगाल।

अब बीजेपी पंजाब जीतना चाहती है। उसे मालूम है कि वह उत्तर प्रदेश जीत सकती है, भले ही राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना हो; मणिपुर में भी जीत सकती है, भले ही वहां तीन साल से जातीय संघर्ष चल रहा है व अभी तक सुलझा नहीं; गोवा में भी, जहां वह लगातार तीन बार जीत चुकी। बंगाल

जीतने के बाद, अब बीजेपी की महत्वाकांक्षा देश के दूसरे छोर तक फैल गई। इसीलिए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान लोगों से अपील करने बाबा बकाला गए और कहा, हमें वोट दें, हम आपकी समस्याएं हल करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर कई लोग पंजाब को कुछ समय से यही संदेश दे रहे हैं। हम आपका कर्ज़ माफ करेंगे, सीमा पार से ड्रोन के जरिए आने वाले नशों को रोकेंगे, खेती को बेहतर बनाएंगे, स्कूल ठीक करेंगे, सड़कें बनाएंगे और हरियाणा व राजस्थान के साथ पानी के बंटवारे का मुद्दा सुलझाएंगे। यहां के लोग असाधारण दरियादिली दिखाते हैं- जैसे दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शनकारियों की मदद के लिए गुरुद्वारों का खुलना और हाल के हफ्तों में असम में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पंजाबियों का जाना- ऐसी दरियादिली देश के किसी दूसरे राज्य में नहीं दिखती। इसकी सीमा एक मुश्किल पड़ोसी से लगती है, लेकिन यह समझ नहीं आता कि बीजेपी करतारपुर साहिब कॉरिडोर को फिर से क्यों नहीं खोल रही। बंगाल के उलट – आजादी के बाद उसका रिश्ता भी आजादी के बाद के 80 सालों में ज्यादातर समय दिल्ली के साथ कांटे का रहा है, सिवाय पिछले कुछ महीनों के- पंजाब को दो बार बांटा गया- हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के रूप में – और आतंकवाद, उद्योगों के पलायन और हरित क्रांति के विपरीत प्रभाव ने इसकी अपनी छवि को और कमजोर किया है। पंजाबियों का एक शब्द है, जिसे वे कई स्थितियों के लिए काफी इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह उनके वजूद की सबसे गहरी भावना से जुड़ा है – वह शब्द है 'धक्का', मतलब- 'मुझसे जबरदस्ती मत करो'। मसलन, 'मेरे तों धक्के नाल कम ना कराओ। यानी, मुझे मेरी मर्जी के खिलाफ कुछ करने के लिए मजबूर न करें'। यह एक ऐसा वाक्यांश है जिसे पंजाब को जीतने की चाह रखने वाले हर राजनीतिक दल को याद रखना चाहिए और अपने अंदरूनी दस्तावेज़ों में इसे एक नारे के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। इस कहानी का बिना मांगा सबक यह है कि पंजाब के 2.1 करोड़ वोटरों को – जो अब 1.9 करोड़ रह गए हैं, क्योंकि गहन मतदाता पुनरीक्षण की छलनी से गुजरने के बाद लगभग 20 लाख वोटर छंट चुके हैं – धर्म (सिख, हिंदू), जाति (जाट, खत्री, रविदासिया, रामदासिया, वाल्मीकि आदि), डेरों (राधा स्वामी, सचखंड बल्लां, सच्चा सौदा आदि), धर्मगुरुओं (संत निरंजन दास, राम रहीम) के आधार पर बांटकर आप मान लें कि इनके वोटों को इकट्ठा कर सकेंगे।

अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ पर रस्साकशी

भाषा सिंह

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रिय शगल है टैरिफ-टैरिफ खेलना, दुनिया के तमाम देशों को नियंत्रित करने के लिए टैरिफ को अंतर्राष्ट्रीय हथकंडे के तौर पर, एक अस्त्र के तौर पर इस्तेमाल करना उनका शौक रहा। इसी क्रम में अब अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ युद्ध का नया सीजन शुरू हो गया। दोनों देशों के बीच इसे लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। ट्रंप ने अब नई धमकी दी है कि कनाडा की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और स्टील पर टैरिफ को वह 1 जनवरी से 50 फीसदी तक बढ़ा देंगे, इससे कनाडा में खलबली मची है। अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार वार्ता टूटने पर दोनों देशों में ठन-सी गई है। जवाब में कनाडा ने घोषणा की थी कि वह भी अमेरिकी उत्पादों पर रेसिप्रोकल 50 फीसदी टैरिफ लगाएगा।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ट्रंप की नई धमकी पर कहा है कि इससे उन्हें कोई हैरत नहीं, क्योंकि ट्रंप का चरित्र इसी तरह का है और वे कनाडा की ऑटो इंडस्ट्री तबाह करना चाहते हैं। लेकिन दोहराया कि अगर अमेरिका 'सही रवैये' के साथ आता है तो ट्रेड वार्ता फिर से शुरू हो सकती है। अमेरिका व कनाडा में ये टकराव नया नहीं। ट्रंप ने सत्ता दोबारा संभालते ही कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की मंशा जाहिर की थी, जिससे दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गये थे। कनाडा ने इस इरादे का कड़ा विरोध भी किया था। उसके बाद ट्रंप ने कनाडा के उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया। दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता का ताजा दौर 21 अगस्त को विफल हो गया और अमेरिका ने कनाडा से आने वाले करीब 20 अरब डॉलर के उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। ट्रंप ने कह दिया कि कनाडा, अमेरिका का राज्य बने बिना ही राज्य होने के सारे फायदे चाहता है। यह कनाडा के जले पर नमक छिड़कने जैसा बयान था। इसका कड़ा जवाब दिया कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने, कि वे ट्रंप के टैरिफ का जवाब 'डॉलर के बदले डॉलर' के अंदाज में देंगे और 8 सितंबर से अमेरिकी उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाएंगे।

कार्नी ने कहा कि अब अमेरिका और कनाडा टैरिफ वॉर में हैं। अमेरिका के स्टील, डेरी, घरेलू उपकरणों और इलेक्ट्रॉनिक्स पर भी शुल्क लगेगा। अभी कनाडा के वाहनों पर अमेरिकी टैरिफ गैर-अमेरिकी हिस्से (कंपोनेंट्स) के लिए 25 फीसदी है, जबकि स्टील पर 50 प्रतिशत शुल्क लागू है। कार्नी ने ट्रंप टैरिफ को युद्ध की संज्ञा देते हुए कहा कि अमेरिका व्यापार समझौते में हमसे बहुत ज्यादा मांग रहा है और हमें बहुत कम दे रहा है। कनाडा ने जो जवाबी टैरिफ अमेरिका पर लगाने की धमकी दी, उसमें अमेरिकी स्टील व डेरी उत्पादों के साथ कृषि उपकरण व इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को भी रखा गया है। कनाडा की मुख्य विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी सहित सभी दलों ने अमेरिका से टैरिफ वॉर में प्रधानमंत्री कार्नी का समर्थन किया। उधर अमेरिका में ट्रंप के टैरिफ वॉर के खिलाफ आवाजें मुखर हैं। इस साल के शुरू में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि जिस तरह से ट्रंप टैरिफ का डंडा चला रहे हैं, वह गैरकानूनी है।

तब से ट्रंप चोर रास्तों से टैरिफ नीति को लागू किये हैं। अमेरिकी जनता के बड़े हिस्से को लगता है कि ट्रंप के इन फैसलों की वजह से उन्हें उत्पादों की भारी कीमत देनी पड़ती है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप का तर्क है कि इससे अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के मौके पैदा होंगे। पिछले साल अमेरिका व कनाडा दोनों देशों ने एक-दूसरे को 880 अरब डॉलर का सामान व सर्विसेज बेची थी। यानी व्यापार में दोनों ही देशों की अच्छी कमाई होती है और एक-दूसरे पर काफी निर्भर हैं। अमेरिका ने कनाडा और मैक्सिको के साथ साझा व्यापार सुगम बनाने को समझौता भी किया हुआ है। तो टैरिफ वॉर की आंच क्या उक्त नार्थ अमेरिकन ट्रेड पैक्ट पर आएगी?? दरअसल दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से ट्रंप टैरिफ को बतौर कूटनीतिक हथियार प्रयोग कर रहे हैं। टैरिफ ट्रंप की व्यापार नीति और विश्व कूटनीति का अहम हिस्सा रहा है। दुनिया भर के देशों को दबाने, मनमाने व्यापार समझौते करवाने, समझौते के लिए दबाव बनाने के हथकंडे के तौर पर टैरिफ का इस्तेमाल कर रहे हैं। सबसे पहले ट्रंप ने इसका इस्तेमाल चीन को झुकाने के लिए किया, लेकिन विफल रहे।

चीन ने भी अपनी रेयर अर्थ की ताकत को इस्तेमाल किया और जवाबी टैरिफ की घोषणा कर दी। ट्रंप को पैर पीछे खींचने पड़े। ट्रंप ने निशाने पर भारत को भी लिया, टैरिफ का डंडा चलाया। वहीं अपने पड़ोसी देशों पर इसका इस्तेमाल किया। कनाडा पर टैरिफ वॉर शुरू की। अमेरिका चाहता था कि कनाडा के महत्वपूर्ण खनिजों पर उसका विशेषाधिकार रहे और वह किसी अन्य देश से स्वतंत्र समझौता न करे, जिसे कनाडा ने अस्वीकार किया। प्रधानमंत्री कार्नी ने ऐसी शर्त गलत बताई और जवाबी टैरिफ की घोषणा कर दी, जिससे बौखलाकर ट्रंप ने 1 जन. 2027 से कनाडाई ऑटो इंडस्ट्री पर 50 फीसदी टैरिफ की घोषणा कर दी। अगर ऐसा होता है तो कनाडा के लिए बहुत मुश्किल होगी। व्यापार वार्ता टूटने से फिलहाल दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ गये अरबों डॉलर के व्यापारिक संबंधों में बड़ा बदलाव आया है और अभी समाधान का कोई रास्ता भी नहीं दिख रहा। हालांकि वार्ता के दरवाजे बंद नहीं। अमेरिकी वर्चस्व के खिलाफ कनाडा का बुलंद स्वर ट्रंप के लिए परेशानी बन सकता है।

बेसन चीला

हेल्दी रहने के लिए आपको ब्रेकफास्ट से लेकर डिनर में न्यूट्रिएंट्स से भरपूर चीजों को शामिल करना जरूरी है। आप बाहर के अन्हैल्दी फूड खाने की बजाय घर पर बनी चीजों को प्राथमिकता देंगे, तो लाइफस्टाइल से जुड़ी दिक्कतों से दूर रहेंगे। ऐसे में यदि लंच के लिए हेल्दी और क्विक विकल्प की तलाश में हैं तो बेसन का चीला बेहतर विकल्प है। बेसन चीला एक बहुत ही आसान और जल्दी बनने वाली डिश है। इसे बनाने के लिए बेसन में प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और मसाले मिलाकर बैटर तैयार करें और तवे पर हल्का सा तेल डालकर सेंक लें। यह प्रोटीन से भरपूर होता है और दही या हरी चटनी के साथ खाने में बेहद स्वादिष्ट लगता है। आप इसे वजन घटाने के लिए भी खा सकते हैं। बेसन चना से बना होता है इसलिए ये ग्लूटन फ्री डाइट है। जिन लोगों को ग्लूटन से एलर्जी है उनके लिए बेसन अच्छा ऑप्शन हो सकता है। इसके अलावा यह आसानी से पच भी जाता है जिससे आपको पेट से जुड़ी दिक्कत भी नहीं होती है।

बेसन कढ़ी

बेसन की कढ़ी भारतीय घरों की फेवरेट डिश है। दही और बेसन से बनी यह ग्रेवी हल्की खट्टी और बेहद स्वादिष्ट होती है। इसमें पकौड़े डालकर इसे और भी टेस्टी बनाया जाता है। चावल के साथ यह लंच के लिए एक परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। कढ़ी को पाचन के लिए काफी फायदेमंद माना जाता हैं। अगर आप पाचन संबंधी समस्या से परेशान हैं तो कढ़ी को डाइट में शामिल कर सकते हैं। हार्ट को हेल्दी रखने के लिए हमेशा हेल्दी चीजों को डाइट में शामिल करना चाहिए। हार्ट को हेल्दी रखने के लिए आप कढ़ी का सेवन कर सकते हैं।

बेसन पराठा

ये स्वाद और एनर्जी का कॉम्बिनेशन है। बेसन पराठा एक स्वादिष्ट और पेट भरने वाला विकल्प है। इसे बनाने के लिए एक बड़े मिक्सिंग बाउल में बेसन लें। आटा में धनिया बीज और नमक हल्दी पाउडर और कटी हुई हरी मिर्च डालें। इसके बाद सभी सूखी सामग्री को एक साथ मिलाएं। तेल और पानी डालकर सॉफ्ट आटा गूथ लें। फिर आटे से एक गोल हिस्सा लें, इसे बेलन से, पराठे को बेल लें। एक त्रिकोणीय आकार में आटा रोल करें। इसे गर्म तवा पर रखें। ऊपर से घी लगाकर दोनों तरफ कुरकुरा होने तक पकाएं। पुदीना की चटनी या अचार के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

बेसन की सब्जी

अगर घर में सब्जी नहीं है, तो बेसन की सब्जी एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें बेसन को मसालों के साथ पकाकर गाढ़ी ग्रेवी बनाई जाती है। यह रोटी या पराठे के साथ बहुत अच्छी लगती है और मिनटों में तैयार हो जाती है। इसके अलावा गट्टे की सब्जी बना सकते हैं। जिसमें बेसन में नमक, अजवाइन मिलाकर गूंद लें। अब इसे किसी भी आकार में काट लें। इसे उबालकर गट्टे तैयार कर लें। फिर ग्रेवी में डालकर पकाएं।

बेसन ढोकला

लंच में कुछ हल्का और सॉफ्ट चाहते हैं तो ढोकला बना सकते हैं। बेसन से बना ढोकला एक स्टीम्ड डिश है, जो हल्की और हेल्दी होती है। इसे बनाने के लिए बेसन में दही और मसाले मिलाकर बैटर तैयार किया जाता है और फिर स्टीम किया जाता है। यह डिश खासकर गर्मियों में लंच के लिए एक बेहतरीन ऑप्शन है।

बेसन की ये रेसिपी बदल देंगी आपके लंच का स्वाद!

भारतीय रसोई में बेसन एक ऐसी सामग्री है, जिसे सब्जी या रोटी दोनों को बनाने में उपयोग किया जा सकता है। इससे लंच या डिनर तो बनाया ही जा सकता है, साथ ही नाश्ते में भी कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाने में बेसन को शामिल किया जाता है। नाश्ता हो, स्नैक हो या लंच बेसन से बनने वाली डिश हर समय स्वाद और पोषण का बेहतरीन संतुलन देती हैं। खास बात यह है कि बेसन प्रोटीन, फाइबर और जरूरी मिनरल्स से भरपूर होता है, जिससे यह न सिर्फ स्वादिष्ट बल्कि सेहतमंद भी बनता है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग ऐसे खाने की तलाश में रहते हैं जो जल्दी बन जाए, हल्का हो और पेट भी भर दे। ऐसे में बेसन से बनी डिश एक परफेक्ट विकल्प है। गर्मियों में जब भारी खाना खाने का मन नहीं करता, तब बेसन से बनी हल्की और पौष्टिक रेसिपी लंच के लिए एक शानदार विकल्प बन जाती हैं। ये रेसिपी न सिर्फ बनाने में आसान हैं, बल्कि बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएंगी।

हंसना मना है

मनोहर ने गजोधर से पूछा: क्या एक वाईफ अपने हसबैंड को लखपती बना सकती है? गजोधर: हां, पर हसबैंड करोड़पती होना चाहिए।

लड़की: क्या कर रहे हो? लड़का: मक्खियां मार रहा हूं, लड़की: कितनी मारी? लड़का: 3 मेल और 2 फीमेल, लड़की: कैसे मालुम? लड़का: क्योंकि, 3 दारू की बोतल से चिपकी थी और 2 फोन से।

वाह प्रभु, अजब तेरी लीला है, चूहा बिल्ली से डरता है, बिल्ली कुत्ते से डरती है, कुत्ता आदमी से डरता है, आदमी बीवी से डरता है और बीवी चूहे से डरती है।

पति रोज किचन में जाता और चीनी का डिब्बा खोलकर देखता और फिर बंद करके रख देता, पत्नी: रोज-रोज ये क्या करते रहते हो? पति: चुप कर, डॉक्टर ने कहा है, रोज अपनी शुगर चेक करते रहो।

अंकल- बेटा क्या करते हो? लड़का- नारी सम्मान सेवा पर काम कर रहा हूं अंकल- सोशल वर्कर हो? लड़का- नहीं अंकल फेसबुक पर सब लड़कियों की फोटो लाइक करता हूं...

कहानी | मूर्ख साधू और ठग

एक बार किसी गांव में एक साधु बाबा रहा करते थे। पूरे गांव में वह अकेले साधु थे, जिन्हें पूरे गांव से कुछ न कुछ दान में मिलता था। दान के लालच में उन्होंने गांव में किसी दूसरे साधू को नहीं रहने दिया और अगर कोई आ जाता था, तो उन्हें गांव से भगा देते थे। इससे उनके पास बहुत सारा धन इकट्ठा हो गया था। वहीं, एक ठग की नजर कई दिनों से साधु बाबा के धन पर थी। वह किसी भी प्रकार से उस धन को हड़पना चाहता था। उसने योजना बनाई और एक विद्यार्थी के रूप में साधु के पास पहुंचा। उसने साधु से अपना शिष्य बनाने का आग्रह किया। पहले तो साधु ने मना किया, लेकिन फिर थोड़ी देर बाद मान गए और ठग को अपना शिष्य बना लिया। ठग साधु के साथ ही मंदिर में रहने लगा और साधु की सेवा के साथ-साथ मंदिर की देखभाल भी करने लगा। ठग की सेवा ने साधु को खुश कर दिया, लेकिन फिर भी वह ठग पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया। एक दिन साधु को किसी दूसरे गांव से निमंत्रण आया और वह शिष्य के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। साधु ने अपने धन को भी पोटली में बांध लिया। रास्ते में उन्हें एक नदी मिली। साधु ने सोचा कि क्यों न गांव में प्रवेश करने के पहले नदी में स्नान कर लिया जाए। साधु ने अपने धन को एक कंबल में छुपाकर रख दिया और ठग से उसकी देखभाल करने का बोलकर नदी की ओर चले गए। ठग की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे जिस मौके की तलाश थी, वो मिल गया। जैसे ही साधु ने नदी में डुबकी लगाई ठग सारा सामान लेकर भाग खड़ा हुआ। साधु वापस आया, उसे न तो शिष्य मिला और न ही अपना सामान। साधु ने ये सब देखकर अपना सिर पकड़ लिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कार्यक्षेत्र में काम की गति तेज होगी, आपके प्रदर्शन की प्रशंसा होगी। व्यापार में रुका हुआ धन वापस मिलने के योग हैं। लव पार्टनर के साथ सामंजस्य अच्छा रहेगा।

वृषभ

दफ्तर में कोई नई ज़िम्मेदारी मिल सकती है, वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में नए निवेश की योजना सफल होगी। योग को दिनचर्या में शामिल करें।

मिथुन

कार्यस्थल पर बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी, सहकर्मियों से मदद मिलेगी। कारोबारी हैं तो व्यावसायिक फैसलों में मुनाफा होगा, नए क्लाइंट जुड़ेंगे।

कर्क

नौकरी में बदलाव या नई भूमिका की बात बन सकती है। आपके व्यापार में स्थिरता रहेगी, जोखिम वाले सौदों से बचें। जीवनसाथी के साथ संवाद बेहतर होगा।

सिंह

नौकरी में आपके काम और विचारों की सराहना होगी, पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कारोबार में नया काम शुरू करने या विस्तार के लिए दिन उत्तम है। खर्चों पर नियंत्रण आवश्यक है।

कन्या

कार्यस्थल पर काम का बोझ रहेगा, लेकिन समय पर काम पूरा करने में सफल रहेंगे। कारोबारी हैं तो हिसाब-किताब में सतर्कता बरतें। आकस्मिक लाभ के संकेत हैं।

तुला

नौकरी में पदोन्नति या नए प्रोजेक्ट के अवसर मिल सकते हैं। कारोबारी हैं तो पार्टनरशिप में किए जा रहे कामों से लाभ होगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी, निवेश से फायदा होगा।

वृश्चिक

नौकरी में वरिष्ठों का पूरा सहयोग मिलेगा। कोई अटकी फाइल आगे बढ़ेगी। कारोबार में बाजार की स्थिति को समझकर ही नया सौदा करें। धन का प्रवाह सामान्य रहेगा।

धनु

कार्यक्षेत्र में किस्मत का साथ मिलेगा, महत्वपूर्ण निर्णय लेने का सही समय है। कारोबारी हैं तो व्यापार में बड़ा लाभ होने के आसार हैं। ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा।

मकर

कार्यक्षेत्र में शांत रहकर काम निपटाएं, विवाद से दूर रहें। कारोबारी हैं तो लेनदेन में लिखा-पढ़ी जरूर करें। लव पार्टनर आपकी बात को समझेगा।

कुम्भ

कार्यस्थल पर नए विचारों और नई योजनाओं के साथ काम शुरू करेंगे, सफलता मिलेगी। कारोबार में नई डील्स फाइनल हो सकती हैं। लव लाइफ में सामंजस्य बना रहेगा।

मीन

कार्यस्थल पर आपके काम की सराहना होगी। पदोन्नति के संकेत हैं। कारोबार में व्यापारिक साख बढ़ेगी, मुनाफा अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्ते और गहरे होंगे।

छोटे पर्दे से गोविंदा के कमबैक की तैयारी, रियलिटी शो का बनेंगे हिस्सा

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो लॉक अप- सच या सजा के जरिए अपना रियलिटी शो डेब्यू किया। बीते दिनों इस शो से उन्होंने खूब लोकप्रियता बटोरी। अब उनके बाद गोविंदा भी रियलिटी शो में हिस्सा लेने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे चर्चित रियलिटी शो राइज एंड फॉल के दूसरे सीजन में शिरकत कर सकते हैं।

गोविंदा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा ने उन पर किसी अन्य हीरोइन के साथ अफेयर होने जैसे आरोप लगाए हैं। शादीशुदा जिंदगी में चल रहे उतार-चढ़ावों के बीच गोविंदा को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है कि वे रियलिटी शो में बतौर कंटेस्टेंट डेब्यू करने वाले हैं।

वैरायटी इंडिया के अनुसार, गोविंदा से इस शो के लिए संपर्क किया गया है। वे इसमें शामिल होने के इच्छुक हैं।

गोविंदा से राइज एंड फॉल 2 रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत चल रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एम एक्स प्लेयर के इस शो के लिए बातचीत अंतिम दौर में हैं।

अगर बात पक्की हो जाती है और गोविंदा राजी हो जाते हैं तो यह बतौर प्रतिभागी उनका पहला रियलिटी-टीवी शो होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फॉर्मेट का दूसरा सीजन मशहूर हस्तियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि प्रोडक्शन टीम कंफर्म करने से पहले कॉन्ट्रैक्ट और शेड्यूल से जुड़ी जानकारी को अंतिम रूप दे रही है।

गोविंदा का इसमें शामिल होना लगभग तय है, लेकिन अभी तक इसे लेकर किसी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

बता दें कि गोविंदा और सुनीता आहूजा काफी वक्त से निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके चलते सुनीता ने तलाक की अर्जी भी दाखिल की थी। मगर, बीते दिनों उन्होंने तलाक की याचिका वापस ले ली।

इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हुआ, जिसमें राखी सावंत और सुनीता फोन पर बात करती दिखीं। सुनीता ने राखी से बात करते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया और कहा कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी कर रहे थे, इसलिए उन्होंने तलाक की याचिका वापस ली।

गोविंदा के वर्क फ्रंट की बात करें तो फिल्म रूपा में वे कोमल रानी स्वर्णकार के साथ नजर आएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

दायरा में पुलिस अधिकारी बनकर मैंने स्त्रीत्व बनाए रखने की कोशिश की है : करीना कपूर

करीना कपूर खान आने वाले समय में फिल्म दायरा में नजर आएंगी। दायरा के ट्रेलर लॉन्च के दौरान करीना ने कई अहम पहलुओं पर चर्चा की है। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह अपने कपूर खानदान से अलग हैं। साथ ही उन्होंने दायरा में अपने किरदार को लेकर भी राज खोला है। फिल्म तलाश के बाद अभिनेत्री करीना कपूर फिल्म दायरा में एक बार फिर पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी। मुंबई में सोमवार को फिल्म के ट्रेलर लांच के दौरान करीना ने कहा- तलाश में उनका किरदार भूत का था, जबकि दायरा में वह एक संवेदनशील और आकर्षक पुलिस अधिकारी बनी हैं। उन्होंने कहा यह पारंपरिक बुच काप (ऐसी महिला पुलिस अधिकारी, जिसे मर्दाना, सख्त या रफ-टफ व्यक्तित्व वाला समझा जाता है) जैसा किरदार नहीं है। हमने इसमें स्त्रीत्व बनाए रखने की कोशिश की है। पुलिस अधिकारी होने का मतलब यह नहीं कि महिला को स्त्रीत्व छोड़ना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि मां बनने के बाद उन्हें लगता है कि वह एक बेहतर कलाकार बन गई हैं। फिल्म के दौरान दायरा तोड़ने के सवाल पर करीना ने कहा- हर कलाकार अपनी हर फिल्म में टैलेंट का जो दायरा है उसे तोड़ने की कोशिश करता है। मैंने हमेशा कहा है कि एक्टिंग मेरे रगो में दौड़ रहा है। मैं कपूर परिवार से हूं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं परिवार से अलग हूं। क्योंकि परिवार के बाकी लोग निर्देशन-निर्माण करते हैं, लेकिन मुझे अभिनय का जुनून है। करीना सवाल जवाब के क्रम जब बीच में कुछ लोग बात करने लगे तो मेघना गुलजार ने उन्हें टोका। इस पर अभिनेता पृथ्वीराज ने कहा कि आपको अहसास हुआ कि सेट का माहौल कैसा होता होगा? यह सुनकर वह शरमा गईं। वहीं इस मौके पर जब करीना से अभिनेत्रियों के पहनावे से लेकर स्क्रीन पर उनके चित्रण को लेकर हो रही ट्रोलिंग पर सवाल पूछा गया, तो जवाब देने से बचती दिखीं।

555वीं फिल्म लेकर आ रहे हैं अनुपम खेर, फैंस की बढ़ी एक्साइटमेंट

अनुपम खेर ने अपनी 555वीं फिल्म का ऐलान कर दिया है। एक्टर ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्टर शेयर करते हुए अपनी इस खास फिल्म की जानकारी फैंस के साथ शेयर की। उन्होंने इसे अपने करियर की लैंडमार्क 555वीं फिल्म बताया है।

हालांकि, अनुपम खेर ने अभी इस प्रोजेक्ट से जुड़ी ज्यादा जानकारी नहीं दी है। फिल्म का टाइटल, स्टारकास्ट और कहानी समेत कई अहम चीजें फिलहाल सामने नहीं आई हैं। एक्टर ने फैंस से सही समय का इंतजार करने को कहा है। ऐसे में उनकी 555वीं फिल्म को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

ऐलान करते हुए खेर ने लिखा कि वे कुछ समय से इस खबर को अपने

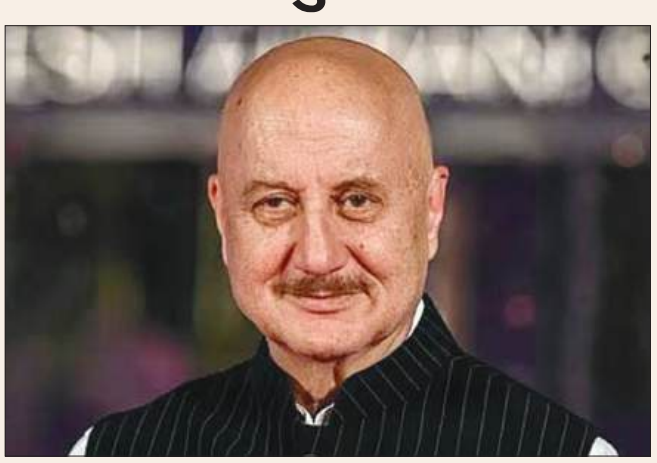

तक ही सीमित रखे हुए थे और इसे तभी बताना चाहते थे जब सही समय हो। उन्होंने लिखा, अनाउंसमेंट!! कुछ बातें कुछ समय तक दिल के करीब रखना ही बेहतर होता है!! क्योंकि सही समय पर उन्हें बताने की खुशी ही कुछ और होती है!

आगे अनुपम खेर लिखते हैं कि आने वाला प्रोजेक्ट उनकी 555वीं फिल्म होगी। उन्होंने फैंस से यह भी कहा कि जब तक और जानकारी नहीं मिलती, वे भी उनके साथ इस सस्पेंस का मज़ा लें। एक्टर ने कहा, तो, अभी के लिए मैं बस इतना ही कहूंगा। मुझे अपनी खास 555वीं फ़िल्म की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। जानकारी सही समय पर दी जाएगी। तब तक, प्लीज़ मुझे भी इस सस्पेंस का मज़ा लेने दें! जय हो!

बता दें कि अनुपम खेर, लगभग चार दशकों से ज्यादा समय से हिंदी फ़िल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 1984 में महेश भट्ट की फ़िल्म सारांश से एक्टिंग की शुरुआत की थी। तब से, उन्होंने कई भाषाओं में 500 से ज्यादा फ़िल्मों में काम किया है और कई तरह के रोल निभाए हैं। अभी इस एक्टर के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं। वह नितेश तिवारी की रामायण का हिस्सा बनने वाले हैं, जिसमें खबरों के मुताबिक जटायु की आवाज़ के लिए उन्हें कन्फर्म किया गया है।

भारत के इस मार्केट में मिलता है अजगर का अंडा, हजार रुपए दर्जन है बिकता, चाव से खाते हैं लोग!

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अपने अनोखे खान-पान के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं। बाकी राज्यों में जहां चिकन, मटन या फिश आम हैं, वहीं नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कीड़े-मकोड़े, मेंढक, घोंघे, रेशम के कीड़े और कई जंगली जानवरों का मांस भी चाव से खाया जाता है। हाल ही में एक व्यक्ति ने नागालैंड के एक स्थानीय बाजार की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए जिसमें अजगर के अंडे बेचे जा रहे थे। इन अंडों की कीमत करीब एक हजार रुपये प्रति दर्जन बताई जा रही है और स्थानीय लोग इन्हें बड़े चाव से खरीदकर खाते हैं। यह खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई। कई लोगों ने हैरानी जताई तो कई ने नॉर्थ-ईस्ट की खानपान संस्कृति को समझने की बात कही। पूर्वोत्तर भारत की जनजातियां सदियों से जंगल और प्रकृति पर निर्भर रही हैं। यहां उपलब्ध संसाधनों को भोजन के रूप में इस्तेमाल करने की परंपरा बहुत पुरानी है। प्रोटीन की कमी वाले इलाकों में कीड़े-मकोड़े और छोटे जीव आसानी से उपलब्ध प्रोटीन स्रोत बन जाते हैं। नागालैंड की बात करें तो यहां की नागा जनजातियों का खानपान बेहद विविधतापूर्ण है। सूअर का मांस, गोमांस, मिथुन (एक तरह का जंगली गाय जैसा जानवर), स्मोक्ड मीट, किण्वित बांस की कोपलें, जंगली साग और कीड़े यहां के आम व्यंजन हैं। कुत्ते का मांस भी कुछ समुदायों में खाया जाता है। रेशम के कीड़े, टिड्डे, भृंग, मधुमक्खी के लार्वा और लकड़ी के कीड़े बाजारों में आसानी से मिल जाते हैं। ये ना सिर्फ स्वादिष्ट माने जाते हैं बल्कि औषधीय गुणों वाले भी बताए जाते हैं।अजगर या अजगर जैसी सांप प्रजातियों का मांस और अंडे भी कुछ इलाकों में खाए जाते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि इससे ताकत बढ़ती है और कुछ बीमारियों में फायदा होता है। हालांकि भारतीय वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत अजगर जैसी कई प्रजातियां संरक्षित हैं और उनका शिकार या व्यापार अवैध है। फिर भी दूरदराज के बाजारों में कभी-कभी ऐसे उत्पाद दिख जाते हैं। वीडियो में बताया गया कि ये अंडे एक हजार रुपये दर्जन की कीमत में बिकते हैं। ये इसे महंगा व्यंजन बनाती है, इसलिए यह रोजमर्रा का खाना नहीं बल्कि खास मौकों या शौकिया तौर पर खाया जाता है। पूर्वोत्तर के बाजारों का नजारा बाकी भारत से बिल्कुल अलग होता है। कोहिमा, दीमापुर या अन्य कस्बों के बाजारों में ताजी सब्जियों, जंगली पौधों, स्मोक्ड मीट और कीड़ों के स्टॉल लगे होते हैं। महिलाएं और पुरुष दोनों ही इन वस्तुओं को बेचते नजर आते हैं।

अजब-गजब | दुनिया के इस देश में पढ़ना चाहेगा हर बच्चा

यहां नहीं होता कोई एग्जाम, मात्र 4 घंटे जाते हैं स्कूल!

भारत में शिक्षा व्यवस्था को लेकर अक्सर बहस होती रहती है। नर्सरी क्लास से ही बच्चों पर पढ़ाई और परीक्षा का दबाव डाल दिया जाता है। जैसे-जैसे कक्षाएं बढ़ती हैं, प्रेशर और बढ़ता जाता है। बोर्ड परीक्षा, कॉम्पिटिटिव एग्जाम और रटाई संस्कृति कई बच्चों को तनाव में डाल देती है। ऐसे में सोशल मीडिया पर फिनलैंड के एजुकेशन सिस्टम का वीडियो और जानकारी तेजी से वायरल हो रही है। लोग कह रहे हैं कि दुनिया का हर बच्चा ऐसे सिस्टम में पढ़ना चाहेगा जहां कोई भारी-भरकम एग्जाम नहीं, स्कूल के घंटे कम हैं और सीखने का माहौल खुशहाल है। फिनलैंड का शिक्षा तंत्र दुनिया के सर्वश्रेष्ठ सिस्टम में गिना जाता है। यहां की खास बात यह है कि बेसिक एजुकेशन यानी कक्षा 1 से 9 तक कोई राष्ट्रीय स्तर की स्टैंडर्डाइज्ड परीक्षा नहीं होती। बच्चों का आकलन उनके अपने टीचर करते हैं। निरंतर फीडबैक, क्लास वर्क, प्रोजेक्ट और सेल्फ असेसमेंट के जरिए प्रगति मापी जाती है। पहली बार बड़ा राष्ट्रीय टेस्ट मैट्रिकुलेशन एग्जाम के रूप में ऊपरी सेकेंडरी स्कूल के अंत में होता है, जब छात्र करीब 18-19 साल के हो जाते हैं।

फिनलैंड में स्कूल के घंटे भी बहुत कम हैं। छोटी कक्षाओं (कक्षा 1-2) में हफ्ते में न्यूनतम 20 लेसन होते हैं। एक लेसन 45 मिनट का होता है और उसके बाद ब्रेक मिलता है। इस हिसाब से दिन में करीब 4 घंटे का स्कूल समय रहता है। बड़े होने के साथ घंटे धीरे-धीरे बढ़ते हैं लेकिन फिर भी कई देशों की तुलना में काफी कम होते हैं। बच्चों को खेलने, आराम करने और परिवार के साथ समय बिताने का भरपूर मौका मिलता है। फिनलैंड में औपचारिक स्कूलिंग 7 साल की उम्र से शुरू होती है। उससे पहले 6 साल की उम्र में एक साल का प्री-प्राइमरी एजुकेशन होता है जिसमें खेल के माध्यम से सीखने पर जोर दिया जाता है। यहां रटने की बजाय समझने, क्रिएटिविटी और सामाजिक कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

यहां के स्कूलों में होमवर्क भी बहुत कम या लगभग ना के बराबर होता है, खासकर छोटी कक्षाओं में। शिक्षकों की योग्यता यहां सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है। टीचर बनने के लिए मास्टर डिग्री जरूरी है और ट्रेनिंग बहुत कठिन होती है। सिर्फ टॉप ग्रेजुएट्स ही टीचिंग प्रोफेशन में आ पाते हैं। टीचर्स को काफी आजादी दी जाती है कि वे कैसे पढ़ाएं। वे पाठ्यक्रम के लक्ष्यों को ध्यान में रखकर अपना तरीका अपना सकते हैं। सभी बच्चों को मुफ्त शिक्षा, मुफ्त दोपहर का भोजन, किताबें और अन्य सुविधाएं मिलती हैं। अमीर-गरीब का फर्क शिक्षा में कम से कम रखने की कोशिश की जाती है। हर बच्चे को समान अवसर देने का लक्ष्य रखा जाता है। अगर कोई बच्चा पीछे रह जाता है तो उसे तुरंत अतिरिक्त सहायता दी जाती है, फेल करके पीछे नहीं छोड़ा जाता। इस सिस्टम के नतीजे भी शानदार रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय पीसा टेस्ट में फिनलैंड लंबे समय तक टॉप रैंकिंग में रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में कुछ गिरावट आई है लेकिन फिर भी समग्र रूप से यह सिस्टम बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सीखने की इच्छा को बनाए रखने में सफल माना जाता है।

अभिषेक पर कार्रवाई से बंगाल में बवाल

» टीएमसी और भाजपा आमने-सामने

» भाजपा सरकार कर रही राजनीतिक बदले की कार्रवाई : बनर्जी

सब कुछ नियम के अनुसार हो रहा: सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्य विपक्षी तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी पर मुश्किलें कम नहीं हो रहीं हैं। होर्डिंग मामले के बाद अब अग्निशमन विभाग ने भी नोटिस भेजा है। उसके बाद वहां की सियासत गरमा गई है। टीएमसी ने भाजपा पर हमला करते हुए इसे सियासी बदला बतलाया है। बता दें पिछले सप्ताह उनके कार्यालय से अनधिकृत होर्डिंग हटाए जाने के दौरान अधिकारियों के साथ कथित झड़प के मामले में मंगलवार को पुलिस द्वारा छह घंटे तक की गई पूछताछ के बाद आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार उनकी पार्टी के खिलाफ 'राजनीतिक बदले की भावना'से कार्रवाई कर रही है।

बनर्जी ने पूछताछ के बाद शेक्सपियर सरणी पुलिस थाना के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ राजनीतिक मंशा से की गई कार्रवाई के तहत उनके कैमक स्ट्रीट कार्यालय से होर्डिंग हटाने के लिए लगभग कई लोगों को भेजा गया था। तृणमूल कांग्रेस महासचिव ने चुनौती देते हुए कहा, अगर उन्हें लगता है कि वे झूठे मामलों के जरिए तृणमूल कांग्रेस को रोक सकते हैं, तो वे गलतफहमी में हैं। वे अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल कर लें। बनर्जी ने आरोप लगाया कि 27 अगस्त की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए लोगों को कई तरह की 'यातनाएं' दी जा रही हैं। हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के अधिकारी और पुलिस सड़क की ओर बने लोहे के ढांचे पर लगी होर्डिंग को हटाने के लिए बनर्जी के कार्यालय परिसर में गई थी और इस दौरान झड़प हुई थी।

डेरेक ओ ब्रायन भी भड़के

तृणमूल लगातार आरोप लगा रही है कि पुलिस द्वारा उसके नेताओं के खिलाफ चुनिंदा तरीके से कार्रवाई की जा रही है। कथित झड़प के समय मौके पर मौजूद रहे और एक प्राथमिकी में नामजद तृणमूल के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन ने निजी सुरक्षा कर्मियों द्वारा पुलिस को रोकने की कोशिश किए जाने संबंधी खबरों को ''फर्जी'' बताया था। उन्होंने कहा था कि सुरक्षाकर्मी इमारत के प्रवेश द्वार पर ड्यूटी पर तैनात थे। ओ'ब्रायन ने आरोप लगाया था कि पुलिस एक अवैध नोटिस के साथ जबरन कार्यालय में घुस आई, वरिष्ठ नेताओं के साथ मारपीट की और पार्टी समर्थकों तथा कार्यालय के कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया।

ऑफिस सील करने की तैयारी, अग्निशमन विभाग की नोटिस

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। अब पश्चिम बंगाल अग्निशमन और आपात सेवा विभाग ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को नोटिस भेज दिया है। अग्निशमन विभाग ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के कैमक स्ट्रीट स्थित ऑफिस की सुरक्षा से जुड़ी कई कमियों का हवाला देते हुए नोटिस भेजा है। एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को जारी नोटिस में कहा गया है कि इस जगह का फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट 10 अगस्त को खत्म हो गया था और इसे रिन्यू नहीं कराया गया है। अधिकारी ने बताया, सुरक्षा में कुछ कमियां पाई गई थीं और हमने 48 घंटे के भीतर लिखित जवाब मांगा है। विभाग ने बिल्डिंग के मालिक और किराएदार से यह भी स्पष्टीकरण मांगा है कि जरूरी फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं करने के लिए इस जगह को सील क्यों न किया जाए? कोलकाता पुलिस और फायर डिपार्टमेंट की एक संयुक्त टीम ने सोमवार को 9 कैमक स्ट्रीट स्थित बिल्डिंग का हर फ्लोर पर जाकर निरीक्षण किया। इसमें सातवें और आठवें फ्लोर पर बनर्जी का ऑफिस वाला हिस्सा भी शामिल था। यह निरीक्षण फायर सेफ्टी ऑडिट का हिस्सा था। नोटिस के अनुसार, निरीक्षण में बिल्डिंग में फायर सेफ्टी इंतजामों में कई कमियां पाई गईं। जिन मुद्दों की ओर इशारा किया गया, उनमें सातवें फ्लोर पर आग बुझाने के लिए पानी की अपर्याप्त उपलब्धता और इमरजेंसी में बाहर निकलने के लिए कोई तय फायर एग्जिट न होना शामिल है।

कानून सभी के लिए समान : पॉल

राज्य सरकार की वरिष्ठ मंत्री और भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा, कानून सभी के लिए समान है। अगर आप पुलिस को परेशान करते हैं और उन पर हमला करते हैं, तो आपको कानून का सामना करना ही होगा। इसमें कोई राजनीतिक बदले की भावना नहीं है।'' तृणमूल कांग्रेस ने मामले में पुलिस के रवैये पर सवाल उठाया है। अभिषेक बनर्जी और डेरेक के वकील अर्का नाग ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35 के तहत नोटिस तो जारी कर दिए गए हैं लेकिन प्राथमिकी ऑनलाइन उपलब्ध नहीं है। वकील ने दावा किया कि शेक्सपियर सरणी पुलिस को एक जवाबी नोटिस भेजा गया है जिसमें दलील दी गई कि प्राथमिकी की प्रति ऑनलाइन अपलोड न करना 'यूथ बार एसोसिएशन' मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का उल्लंघन है। उन्होंने दावा किया कि इस मामले को लेकर पुलिस को अदालत की अवमानना की कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। पुलिस ने घटना के समय कैमक स्ट्रीट स्थित कार्यालय में मौजूद डेरेक को नोटिस भेज कर सोमवार को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने को कहा था लेकिन वह पेश नहीं हुए। बाद में पुलिस ने उनके घर पर एक और नोटिस भेजा, जिसमें उन्हें बुधवार को पेश होने के लिए कहा गया है।

आंध्र प्रदेश में जब भी होंगे चुनाव, राजग ही जीतेगा : चंद्रबाबू नायडू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि हालिया सर्वेक्षणों में राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को अजेय बताया गया है। नायडू ने कहा, आप लोगों ने पिछले चुनाव में शानदार बहुमत दिया था। अब सभी सर्वेक्षण भी यही बता रहे हैं कि जब भी आंध्र प्रदेश में चुनाव होंगे, राजग अजेय रहेगा। नायडू ने कहा कि 'बर्बाद' हो चुके राज्य के पुनर्निर्माण के लिए लोगों ने कुछ साल पहले तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा), भाजपा और जन सेना पार्टी के गठबंधन को चुना था।

उन्होंने घोषणा की कि इस बार नगरपालिकाओं और नगर निगमों में प्रत्यक्ष चुनाव कराए जाएंगे, ताकि लोग अपनी पसंद के महापौर या अध्यक्ष का चुनाव कर सकें। मुख्यमंत्री ने याद किया कि आज ही के दिन 31 साल पहले उन्होंने पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में उन्होंने कई सुधार किए और जनहित से जुड़े कई कार्यक्रम लागू किए। नायडू ने कहा कि केंद्र के सहयोग से राज्य सरकार प्रभावी तरीके से जन-केंद्रित सरकार चला रही है। मुख्यमंत्री के अनुसार, राज्य सरकार ने गरीबों को कल्याण पेंशन के रूप में 73,507 करोड़ रुपये वितरित किए हैं और पिछले दो वर्षों में गरीबों को सशक्त बनाने के लिए कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये कल्याण योजनाओं पर खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

मुस्लिम धर्मगुरु पर भड़के कांग्रेस के सीएम

» कहा- ऐसे बयान केरल की प्रगतिशील परंपरा के अनुरूप नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्ची। मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने बुधवार को सुन्नी इस्लामिक विद्वान कांथापुरम ए.पी. अबूबकर मुसलियार के उस बयान का कड़ा विरोध किया जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को घर के अंदर ही रहना चाहिए, सतीशन ने कहा कि ऐसी सोच केरल की प्रगतिशील परंपरा के अनुरूप नहीं है। राज्य कैबिनेट की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सतीशन ने कहा, हम उस बयान से बिल्कुल भी सहमत नहीं हैं। यह बात प्रगतिशील केरल के अनुकूल नहीं है। हम किसी भी तरह से इससे सहमत नहीं हो सकते।

उन्होंने कहा कि महिलाएं सिर्फ घरों में रहने के लिए नहीं बनी हैं। उन्होंने कहा, उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में हिस्सा लेना चाहिए और समाज में अहम भूमिका निभानी चाहिए। बिना किसी शक के, यही हमारा प्रगतिशील नजरिया है। सतीशन ने रानी बिलकिस का उदाहरण देते हुए कहा कि इस्लामी इतिहास में उन्हें एक शासक के रूप में दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, इस्लामी इतिहास में एक ऐसी महिला का उदाहरण है, जो कारोबार करती थीं, एक ऐसी महिला का उदाहरण है, जिन्होंने सैन्य नेतृत्व की भूमिका निभाई और एक महिला ऐसी थीं, जो रानी थीं। ये सभी उदाहरण इस्लामी इतिहास में मौजूद हैं। मुख्यमंत्री ने खलीफाओं के शासनकाल की एक घटना का भी उल्लेख किया, जब एक महिला ने मेहर से जुड़े एक फैसले पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा कि उस समय शासक ने स्वीकार किया था कि महिला का तर्क सही था। सतीशन ने कहा, ये उदाहरण दिखाते हैं कि महिलाओं की शाही दरबार तक में अपनी जगह थी। इसलिए हम इस तरह की सोच से किसी भी तरह सहमत नहीं हो सकते। सुन्नी इस्लामी विद्वान कांतापुरम ए. पी. अबूबकर मुसलियार ने रविवार को कोच्चि में हुए एक कार्यक्रम में कहा था कि महिलाओं को अपने घर के भीतर ही रहना चाहिए, महिलाओं को खुले तौर पर सार्वजनिक मंचों पर आना समाज के लिए नुकसानदेह है। इसी वजह से इस्लाम में पर्दा प्रथा और घर में रहने की बात कही गई है।

शुद्धिकरण को लेकर कांग्रेस ने 123 थानों में दर्ज कराई एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तराखंड के हलद्वानी में मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद उस जगह के शुद्धिकरण का मामला अब और गरमा रहा है। राहुल गांधी के दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस करने के बाद उत्तराखंड में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। जिसके बाद कांग्रेस हरकत में आई।

सबसे पहले कांग्रेस की सांसद कुमारी शैलजा ने खरगे से मुलाकात की, फिर उत्तराखंड कांग्रेस ने यह निर्णय लिया कि राहुल गांधी पर एफआईआर दर्ज कराने के खिलाफ पूरे प्रदेश भर में भाजपा नेताओं के खिलाफ अब कांग्रेस एफआईआर दर्ज कराएगी। उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने एनडीटीवी को बताया कि मंगलवार दोपहर तक 123 थानों में कांग्रेस के विभिन्न पदाधिकारियों ने भाजपा नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी है।

अफगान से टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

» संजू सैमसन की टीम में वापसी, बुमराह का नाम सशर्त शामिल, रिंकू सिंह की अनदेखी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलने उतरेगी। इस टीम में वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है। इस सीरीज के लिए टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी शामिल किया गया है, लेकिन उनका खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा।

भारत और अफगानिस्तान के बीच सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला टी20 13 सितंबर, दूसरा 15 सितंबर और तीसरा मुकाबला 17 सितंबर को होगा। यानी भारत और अफगानिस्तान के बीच पूरी टी20 सीरीज पांच दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। बीसीसीआई ने इस सीरीज के लिए मध्यक्रम के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को मौका नहीं दिया है। रिंकू को इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी शामिल नहीं किया गया था। वहीं, 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को एक बार फिर टीम में जगह दी गई है। दिलचस्प बात यह है कि संजू सैमसन भी जगह बनाने में सफल रहे हैं। वहीं, तिलक वर्मा उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। भारतीय टी20 टीम को सितंबर के अंत में एशियाई खेलों में हिस्सा लेना है। एशियाड के लिए भी भारत ने मजबूत टीम का चयन किया था। ऐसे में एशियाई खेलों से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की यह सीरीज अहम मानी जा रही है। मालूम हो कि एशियाई खेलों में भारत स्वर्ण पदक का बचाव करने उतरेगा।

टीम में शामिल चार खिलाड़ियों का खेलना फिटनेस पर निर्भर

15 सदस्यीय घोषित टीम में चार खिलाड़ी ऐसे हैं जिनका खेलना तय नहीं है। इसका कारण यह है कि इन खिलाड़ियों का खेलना उनकी फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करता है। नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, बुमराह और हर्षित राणा को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन इनका खेलना तय नहीं है। बीसीसीआई ने बताया कि इन चारों खिलाड़ियों का खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा।

इंदौर में छात्रों की गूंज पर सियासत गरमाई

» जीतू पटवारी ने मांगा नेहरू स्टेडियम, भाजपा ने खोल दिया नया मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रस्तावित छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर मध्य प्रदेश की सियासत गरमा गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को पत्र लिखकर इंदौर का नेहरू स्टेडियम कार्यक्रम के लिए तत्काल उपलब्ध कराने की मांग की है। दूसरी तरफ भाजपा ने भी कांग्रेस पर हमला करते हुए एक और पत्र जारी किया है।

भाजयुमो इंदौर महानगर अध्यक्ष सौगात मिश्रा ने कांग्रेस पर छात्रों के मुद्दों का राजनीतिक इस्तेमाल करने और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की भाषा पर सवाल खड़े किए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को पत्र लिखकर राहुल गांधी के छात्रों की

गूंज कार्यक्रम के लिए नेहरू स्टेडियम उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। पटवारी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि कांग्रेस के प्रस्ताव को संज्ञान में लेते हुए नेहरू स्टेडियम कार्यक्रम के लिए तत्काल उपलब्ध कराया जाए.।

देश के भविष्य, युवाओं के सपनों और शिक्षा के अधिकार से जुड़ा संवाद : पटवारी

हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और शिक्षा की सुरक्षा तथा युवाओं के भविष्य को लेकर पूरे देश में जनजागृति अभियान चला रहे हैं। जीतू पटवारी ने कहा कि यह कार्यक्रम किसी राजनीतिक दल के प्रचार के लिए नहीं है। यह देश के भविष्य, युवाओं के सपनों और शिक्षा के अधिकार से जुड़ा संवाद है. उन्होंने कहा कि युवाओं के सपने तभी सुरक्षित रहेंगे, जब शिक्षा सुरक्षित रहेगी. शिक्षा बचेगी

तो देश का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा. पटवारी ने सरकार से अपील की कि वह कार्यक्रम के महत्व को समझते हुए नेहरू स्टेडियम उपलब्ध करवाए।

माताओं और बहनों का अपमान करती है कांग्रेस : सौगात मिश्र

भाजपा नेता सौगात ने आरोप लगाया कि प्रदेश की मातृशक्ति पर शराबी होने का झूठा आरोप लगाकर माताओं और बहनों का अपमान किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को सौजन्यपूर्ण भाव से पत्र लिखा था, लेकिन कांग्रेस ने उसे गंभीरता से नहीं लिया। भाजयुमो नेता ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर भी निशाना साधा. उन्होंने चंडीगढ़ छात्रसंघ चुनाव में एनएसयूआई की हार का उल्लेख करते हुए कांग्रेस की छात्र राजनीति पर सवाल उठाए.पत्र के अंत में सौगात मिश्रा ने राहुल गांधी को सलाह दी कि इंदौर दौरे के दौरान वे देवी अहिल्या माता के दर्शन और नमन जरूर करें।

भाजपा ने कांग्रेस को फिर घेरा

दूसरी तरफ राहुल गांधी के प्रस्तावित इंदौर दौरे को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच पत्रों की राजनीति भी तेज हो गई है। भाजयुमो इंदौर महानगर अध्यक्ष सौगात मिश्रा ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े को पत्र लिखकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। मिश्रा ने कहा कि भाजपा को राहुल गांधी की किसी यात्रा या सभा की चिंता नहीं होती, बल्कि कांग्रेस ही उनकी सभाओं को लेकर ज्यादा चिंतित रहती है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी की सभाओं में लोग मनोरंजन के लिए जाते हैं और वह मनोरंजन कराने में कोई कसर नहीं छोड़ते, सौगात मिश्रा ने अपने पत्र में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की भाषा पर भी सवाल उठाए।

राहुल गांधी के भाषण पर भड़के सावरकर के परपोते

बोले- नेता प्रतिपक्ष ने मुसलमानों से बेहद नफरत करने वाला बताकर उनकी छवि खराब की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लंदन में दिए गए भाषण को लेकर पुणे की विशेष सांसद-विधायक अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान दक्षिणपंथी विचारक विनायक दामोदर सावरकर के परपोते सत्यकी सावरकर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने लंदन में अपने भाषण के दौरान उनके परदादा सावरकर को मुसलमानों से बेहद नफरत करने वाला बताकर उनकी छवि खराब की और मानहानि की। सत्यकी ने अदालत में कहा कि वास्तव में सावरकर ने कभी मुसलमानों से नफरत नहीं की।

सत्यकी सावरकर ने राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज कराया है. उनका आरोप है कि लंदन में दिए गए भाषण के जरिए राहुल गांधी ने सावरकर को बदनाम किया. फिलहाल इस मामले में सत्यकी सावरकर से राहुल गांधी के वकील मिलिंद पवार जिरह कर रहे हैं. मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश अमोल

शिंदे की अदालत में हो रही है। इससे पहले मंगलवार की सुनवाई के दौरान राहुल गांधी के वकील ने सत्यकी सावरकर से पूछा कि उन्हें राहुल गांधी के भाषण में आखिर कौन-सी बात मानहानिकारक लगी. इसके जवाब में सत्यकी ने भाषण के उस हिस्से की ओर अदालत का ध्यान दिलाया, जिसमें राहुल गांधी ने कथित तौर पर सावरकर द्वारा लिखी गई एक किताब से एक घटना का उल्लेख किया था. सत्यकी के अनुसार, उस अंश में एक घटना का वर्णन है, जिसमें सावरकर और उनके कुछ साथियों ने कथित तौर पर एक मुस्लिम व्यक्ति के साथ मारपीट की थी. इस घटना के बाद सावरकर के बारे में यह कहा गया था कि उन्हें इससे संतुष्टि महसूस हुई। सत्यकी सावरकर ने अदालत में दावा किया कि राहुल गांधी के भाषण में इस घटना का उल्लेख करने से सावरकर की छवि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश हुई, जो मुसलमानों से बेहद नफरत करता था और भीड़ के जरिए हिंसा करने वाला था. उन्होंने कहा, इन शब्दों के जरिए सावरकर को मुसलमानों से बेहद नफरत करने वाला और भीड़ द्वारा हत्या करने वाला व्यक्ति बताया गया. सावरकर ने कभी मुसलमानों से नफरत नहीं की. बल्कि, अपने लेखन में उन्होंने मुसलमानों की प्रगति के लिए रास्ते और उपाय बताए।

दिशा सालियान की मौत मामले में बड़ा फैसला

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच का दिया आदेश

» सीबीआई दर्ज करेगी एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई । दिवंगत सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को मामले में एफआईआर दर्ज कर पूरे मामले की गहन जांच करने का निर्देश दिया है। दिशा सालियान की मौत 8 जून 2020 को मुंबई में हुई थी। उनकी मौत के कुछ दिन बाद ही अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की भी मौत हुई थी।

दिशा के पिता सतीश सालियान ने मामले की जांच को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया था। उनके वकील निलेश ओझा ने कोर्ट के आदेश के बाद कहा कि अब मामले की जांच सीबीआई करेगी और सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वकील निलेश ओझा के मुताबिक,

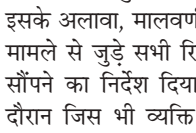

हाईकोर्ट ने सीबीआई को दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान का बयान दर्ज करने और इसके बाद एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने जांच के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त करने को भी कहा है। इसके अलावा, मालवणी पुलिस स्टेशन को मामले से जुड़े सभी रिकॉर्ड सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया गया है। जांच के दौरान जिस भी व्यक्ति के खिलाफ सबूत मिलेंगे, उसके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। ओझा ने कहा कि सिर्फ किसी का नाम सामने आने के आधार पर उसे आरोपी नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिसके खिलाफ सबूत नहीं होंगे, उसे आरोपी नहीं बनाया जाएगा।

राजधानी लखनऊ की सड़कों पर आया जलसमुद्र

बारिश ने खोली स्मार्ट सिटी की पोल, गली-मोहल्ले चोक, ट्रैफिक जाम से लोग परेशान, नगर निगम पानी रुकने का इंतजार करता रहा

» प्रदेश में छह सितंबर तक बारिश-बाढ़ की चेतावनी, जिलों को भेजा गया अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को तीन चार घंटे की बारिश ने भाजपा सरकार के स्मार्ट सिटी की पोल खोल दी । बारिश की वजह से पूरा शहर समुद्र बन गया। पूरे शहर में ट्रैफिक जाम हो गया। गली होया चौड़ी सड़क या फिर पाश इलाके के मोहल्ले सब पानी से लबाबल डुब हुए थे। रास्ते मेंजा रहे लोग गडढों में गिरकर चोटिल होते रहे है। नगर निगम पानी रुकने का इंतजार करता रहा।

भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने उत्तर प्रदेश में 1 से 6 सितंबर तक भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। इसके साथ ही कई जिलों में आकस्मिक बाढ़, मेघगर्जन और वज्रपात की आशंका भी है। योगी

सरकार ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित जिलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं ।राहत आयुक्त कार्यालय ने जिला प्रशासन को मौसम पर लगातार नजर रखने को कहा है। सरकार ने लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रभावित और संभावित क्षेत्रों में तैयारियां मजबूत रखने के निर्देश दिए गए हैं। जरूरतमंदों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। बांदा, चित्रकूट, प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ और आगरा समेत कई जिलों में भारी बारिश की आशंका है। सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, प्रयागराज में आकस्मिक बाढ़ की संभावना है। पूर्वांचल, मध्य यूपी, बुंदेलखंड और पश्चिमी यूपी के जिलों में वज्रपात का अलर्ट है। राहत आयुक्त कार्यालय ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। मंत्री नंद गोपाल नंदी ने चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और राहत किट बांटी।

पुराने से लेकर नए इलाके तक पानी से लबालब

राजधानी में सितंबर की शुरुआत जोरदार बारिश के साथ हुई। मंगलवार को सुबह से ही शहर के ज्यादातर इलाकों में घने काले बादल छाए रहे। सुबह करीब नौ बजे बारिश शुरू हुई, जो 11 बजे तक चलती रही। इससे दफ्तर और अन्य कामों से निकलने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।दोपहर बाद एक बार फिर बादल सक्रिय हुए और तेज बारिश शुरू हो गई। देर शाम करीब दो घंटे तक हुई जोरदार बारिश से शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। सड़कों पर पानी भरने से वाहन चालकों और राहगीरों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। रिमझिम बारिश का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। शाम तक लखनऊ के चिनहट में 59 मिमी, 1090 चौराहे पर 54 मिमी और राजभवन क्षेत्र में 45.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश के बाद अधिकतम तापमान में गिरावट आई और मौसम में ठंडक महसूस की गई।

इधर मौसम विभाग ने लखनऊ में अगस्त में हुई बारिश के आंकड़े भी जारी किए हैं।

अगस्त में सामान्य से 64 फीसदी अधिक हुई बारिश

इसके अनुसार लखनऊ में अगस्त के दौरान 330.7 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 64 फीसदी अधिक है। अगस्त में शहर में सामान्य बारिश 2002 मिमी मानी जाती है। इसके पहले साल 24 में अगस्त माह में 338.7 मिमी और साल 18 में 405.5 मिमी बारिश रिकार्ड की गई थी।

ईडी व पुलिस के खुलासे पर पंजाब में मचा बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी की रिपोर्ट और ट्रांसफर-पोस्टिंग से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। बीजेपी नेता गौरव भाटिया ने आम आदमी पार्टी और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें भ्रष्टाचार का पर्याय बताया है।

भाटिया ने श्वेत की ओर से हाईकोर्ट के सामने रखे गए तथ्यों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि सरकारी नीतियों और गोपनीय सूचनाओं से जुड़ी जानकारी कथित तौर पर बिचौलियों तक पहुंच रही है। उन्होंने इस पूरे मामले में अरविंद केजरीवाल की भूमिका पर भी सवाल उठाए और भगवंत मान से इस्तीफे की मांग की। रिपोर्ट के मुताबिक, ईडी की ओर से भेजे गए तीन पत्रों के बावजूद पंजाब पुलिस ने कुछ नामजद लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा